

SHRI HUKUMDEV NARAYAN YADAV

Shri Hukumdev Narayan Yadav is a renowned Parliamentarian presently, representing Madhubani constituency of Bihar as a member of the Bharatiya Janata Party.

2. Born on November 17, 1939, in a remote village in a simple farming family, Shri Yadav, during his schooling days; used to contribute to the farming and taking care of the livestock. He was the first from his village to pass the matriculation and B.A. exams. During his Law studies in 1962, he contested the assembly elections but faced a defeat. He dropped his studies to join the struggle against social and economic disparities by starting a movement against administrative discrimination and corruption. Owing to his social awareness; Shri Yadav got elected as an MLA in 1967 from Samyukta Socialist Party; and his victory continued for three consecutive terms. He participated in the social and political movement initiated by Dr. Ram Manohar Lohia and led by Karpoori Thakur. Because of his involvement in this movement; he got an opportunity to work at national level and thus got nationwide recognition. The struggles and endeavours throughout his life led him to the path to get involved in working for the marginalized people and also brought him to the national picture.

3. Shri Yadav has been a Member of Parliament, Lok Sabha for five terms. He has served as Union Cabinet Minister, Textiles and food Processing Industries (1990-91); Union Minister of State, Agriculture (1999-2000); Union Minister of State, Surface Transport (2000); Union Minister of State, Shipping (2000-2001) etc. He has also served as Member, Business Advisory Committee (1989-90); Member, Committee on Public Undertakings (1990); Member, Standing Committee on Agriculture, Committee on Government Assurances, Committee on Official Language and Consultative Committee, Urban Development (2009); Member, Committee on Welfare of Other Backward Classes (2013); Member, Panel of Chairpersons, Lok Sabha (2014); Member, General Purposes Committee (2015) etc.

4. Shri Yadav has to his credit publication of a book titled 'Gaon Ki Kahani'. He has also been contributing articles to various Newspapers like Jansatta, Navbharat Times and Aryavrat Dainik on contemporary issues.

श्री हुक्मदेव नारायण यादव



श्री हुक्मदेव नारायण यादव वर्तमान समय के एक जाने-माने संसद प्रतिनिधि हैं और भारतीय जनता पार्टी के सदस्य के रूप में बिहार के मधुबनी निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

2. आपका जन्म 17 नवम्बर, 1939 में एक दूर-दराज गांव में एक साधारण कृषक परिवार में हुआ था। अपने स्कूली दिनों के दौरान, आप कृषि कार्य में हाथ बंटाते थे और पशुधन की देखभाल भी करते थे। आप अपने गांव में पहले व्यक्ति थे जिसने मैट्रिकुलेशन और बी.ए. की परीक्षा उत्तीर्ण की थी। वर्ष 1962 में अपनी लॉ की पढ़ाई के दौरान, आपने विधान सभा चुनाव लड़ा और उसमें हार का सामना करना पड़ा। आपने प्रशासनिक भेदभाव और भ्रष्टाचार के विरूद्ध एक आन्दोलन छेड़कर सामाजिक और आर्थिक विषमताओं के विरूद्ध संघर्ष में भाग लेने के लिए अपनी पढ़ाई छोड़ दी। आपकी सामाजिक जागरूकता के कारण, आपको वर्ष 1967 में संयुक्त सोसलिस्ट पार्टी से विधान सभा सदस्य के रूप में चुना गया और आपकी यह विजय यात्रा लगातार तीन बार चलती रही। आपने डॉ. राम मनोहर लोहिया और डॉ. कर्पूरी ठाकुर द्वारा शुरू किए गए सामाजिक और आर्थिक आन्दोलन में भी भाग लिया। इस आन्दोलन में आपकी भागीदारी के कारण, आपको राष्ट्रीय स्तर पर कार्य करने का मौका मिला और इस प्रकार आपको राष्ट्रव्यापी पहचान मिली। अपने पूरे जीवन काल में संघर्ष और प्रयत्नों के बलबूते आप कमजोर तबके के लोगों के लिए काम करने के कार्य में जुट गए और इसी से आपको राष्ट्रीय परिदृश्य में स्थान प्राप्त हुआ।

3. श्री यादव पांच कार्यकालों के लिए लोकसभा में संसद सदस्य रहे हैं। आपने केन्द्रीय केबिनेट मंत्री, वस्त्र एवं खाद्य प्रसंस्करण उद्योग (1990-91); केन्द्रीय राज्य मंत्री, कृषि (1999-21); केन्द्रीय राज्य मंत्री भूतल परिवहन (2000); केन्द्रीय राज्य मंत्री, पोत परिवहन (2000-21) आदि के रूप में अपनी सेवाएं दी हैं। आपने सदस्य, व्यापार सलाहकार समिति (1989-90); सदस्य सार्वजनिक उद्यम (1990), सदस्य, कृषि संबंधी स्थायी समिति, सरकारी आश्वासन संबंधी समिति, राजभाषा समिति एवं परामर्शदात्री समिति, शहरी विकास (2009); पिछड़ा वर्ग कल्याण समिति (2013); सदस्य, लोकसभा अध्यक्ष के पैनल (2014); सदस्य सामान्य प्रयोजन समिति (2015) आदि के रूप में भी कार्य किया है।

4. आपको "गांव की कहानी" नामक पुस्तक के प्रकाशन का भी श्रेय प्राप्त है। आप जनसत्ता, नवभारत टाइम्स और आर्यावर्त दैनिक जैसे विभिन्न समाचार-पत्रों में समकालीन विषयों में लेख लिखने में भी अपना योगदान देते हैं।

5. श्री यादव को वर्ष 2015 में उत्कृष्ट संसद सदस्य पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।